पावन स्मृति
2022

21 अक्टूबर, 2022

इतनी सी बात हवाओं को बताये रखना,
रोशनी होगी चिरागों को जलाये रखना,
लहू देकर की है जिसकी हिफाजत हमने,
ऐसे तिरंगे को हमेशा अपने दिल में बसाये रखना।

शहीद पुलिस परिजनों से मिलते हुए
मा. मुख्यमंत्री, उ.प्र.

पुलिस स्मृति दिवस

2022

21 अक्टूबर, 2022

आनंदीबेन पटेल
राज्यपाल, उत्तर प्रदेश

सत्यमेव जयते

राज भवन
लखनऊ–226 027
11 अक्टूबर, 2022

संदेश

समाज व राष्ट्र की रक्षा करते हुए कर्तव्य–पथ पर अपने प्राणों का सर्वोच्च बलिदान करने वाले देश एवं प्रदेश के सभी वीर पुलिसजनों को 'पुलिस स्मृति दिवस' 21 अक्टूबर के अवसर पर मैं भावपूर्ण श्रद्धांजलि अर्पित करती हूँ।

उत्तर प्रदेश का पुलिस बल एकल कमान के अन्तर्गत विश्व का सबसे बड़ा पुलिस संगठन है। देश के सर्वाधिक जनसंख्या वाले राज्य उत्तर प्रदेश में उच्चकोटि का अपराध नियंत्रण एवं सुदृढ़ कानून–व्यवस्था सुनिश्चित करना ऐसे कार्य हैं, जिनमें पुलिस कर्मियों को न केवल निरन्तर सजगता व सतर्कता बरतनी होती है, बल्कि प्रत्येक क्षण नई चुनौतियों का सामना करते हुए अपने जीवन को जोखिम में डालना पड़ता है। विगत एक वर्ष में प्रदेश के 07 वीर सपूतों ने कर्तव्य की वेदी पर अपने प्राणों की आहुतियां दी हैं। मैं सभी शहीदों को शत्–शत् नमन करती हूँ।

मुझे विश्वास है कि जनमानस में सुरक्षा व शांति की भावना जागृत करने के उद्देश्य से हमारे इन वीर शहीदों की उत्कृष्ट कर्तव्य परायणता, निष्ठा एवं साहस से प्रेरणा लेकर हमारे समस्त पुलिसजन कर्तव्य के पथ पर निरन्तर अग्रसर होंगे।

पुस्तिका 'पावन स्मृति' के सफल प्रकाशन के लिये मैं अपनी हार्दिक शुभकामनाएं प्रेषित करती हूँ।

આનંદીબેન
(आनंदीबेन पटेल)

योगी आदित्यनाथ

मुख्य मंत्री
उत्तर प्रदेश

आज़ादी का अमृत महोत्सव

लोक भवन,
लखनऊ–226001

दिनांक : 04 अक्टूबर, 2022

संदेश

'पुलिस स्मृति दिवस' के पावन अवसर पर मैं समाज व देश की रक्षा करते हुए अपना जीवन न्यौछावर करने वाले सभी शहीद पुलिसजन के प्रति श्रद्धासुमन अर्पित करता हूँ। इन वीरों की यशोगाथा युगों–युगों तक स्मरणीय रहेगी।

पुलिसकर्मी का जीवन सामाजिक समर्पण, संवेदनशील और अपने उच्चतर स्वरूप में त्याग का अप्रितम उदाहरण है। महिलाओं एवं कमजोर वर्ग की सुरक्षा, सामाजिक सौहार्द स्थापित करने, अपराधों की रोकथाम व कानून व्यवस्था को और सुदृढ़ रखने, माफियाओं पर कड़ी कार्यवाही करने में उत्तर प्रदेश पुलिस द्वारा सराहनीय भूमिका निभाई गयी है।

प्रदेश की कानून व्यवस्था को सुदृढ़ रखने एवं अपराध के विरुद्ध जीरो टॉलरेंस की नीति के अन्तर्गत प्रदेश में चिन्हित माफिया अपराधियों व उनके सहयोगियों द्वारा आपराधिक कृत्य से अर्जित सम्पत्तियों के ध्वस्तीकरण व जब्तीकरण की कार्यवाही की गयी। प्रदेश के विभिन्न जनपदों के दुर्दान्त अपराधियों के विरुद्ध की गयी पुलिस कार्यवाहियों में पुलिस बल के अनेक जवानों ने अद्भुत शौर्य का प्रदर्शन करते हुए अपना सर्वोच्च बलिदान दिया है।

विगत एक वर्ष में प्रदेश पुलिस के 07 पुलिसकर्मी कर्तव्यपालन के दौरान शहीद हुए हैं। इन वीर शहीदों के पराक्रम से प्रदेश पुलिस का मान बढ़ा है। मुझे आशा ही नहीं पूर्ण विश्वास है कि इन शहीद पुलिस कर्मियों की गौरवगाथा वर्तमान पीढ़ी के लिए प्रेरणा का स्रोत बनेगी।

शहीद हुए पुलिस कर्मियों के परिजनों को इस अवसर पर मैं आश्वस्त करता हूँ कि उत्तर प्रदेश सरकार शहीद पुलिस कर्मियों की स्मृतियों को जीवित रखेगी एवं उनके परिजनों के कल्याण हेतु सदैव तत्पर रहेगी।

कर्तव्यपरायण वीर शहीद पुलिसजन को मैं पुनः नमन करते हुए अपनी एवं प्रदेश की जनता की ओर से भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित करता हूँ।

(योगी आदित्यनाथ)

देवेन्द्र सिंह चौहान, आई.पी.एस.
पुलिस महानिदेशक एवं
राज्य पुलिस प्रमुख, उत्तर प्रदेश

मुख्यालय पुलिस महानिदेशक, उ०प्र०
सिग्नेचर बिल्डिंग
शहीद पथ, गोमती नगर विस्तार,
लखनऊ– 226002
फोन नं0 0522–2724003/2390240, फैक्स नं0 0522–2724009
सीयूजी नं0 9454400101
ई–मेल : police.up@nic.in
वेबसाईट : https://uppolice.gov.in

दिनांक : 14 अक्टूबर, 2022

श्रद्धांजलि

प्रतिवर्ष 21 अक्टूबर को हमारे देश के प्रत्येक पुलिस बल द्वारा 'पुलिस स्मृति दिवस' मनाया जाता है। पुलिस स्मृति दिवस अपने कर्तव्यपालन में संवेदनशीलता, समर्पण और बलिदान का अप्रतिम उदाहरण प्रस्तुत करने वाले शहीद पुलिस कार्मिकों की स्मृति में आयोजित किया जाता है। इस दिन हम उन वीर शहीद पुलिस जनों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं, जिन्होंने राष्ट्र व समाज की रक्षा में अपने कर्तव्यों का निर्वहन करते हुए प्राणों की आहुति दी है।

यह शौर्य वीर गाथा 63 वर्ष पुरानी है। आज ही के दिन 21 अक्टूबर, 1959 को भारत की उत्तरी सीमा लद्दाख के हिमाच्छादित जनहीन क्षेत्र में केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल के 10 जवान नियमित गश्त पर निकले थे। स्वचालित रायफलों व मोर्टारों से लैस चीनी सैनिकों ने छलपूर्वक हमारे क्षेत्र में घात लगाकर अचानक गश्ती दल पर हमला कर दिया। अपनी मातृभूमि की रक्षा के लिये साधारण शस्त्रों के बावजूद पुलिस दल की टुकड़ी ने चीनी सैनिकों का डटकर मुकाबला किया। अप्रतिम वीरता का परिचय देते हुए केन्द्रीय पुलिस बल के 10 बहादुर जवानों ने अपने प्राणों की आहुतियॉ दी थी। इन्हीं अमर वीर जवानों की याद में पुलिस स्मृति दिवस मनाने की परम्परा प्रचलित है।

01 सितम्बर, 2021 से 31 अगस्त, 2022 तक की अवधि में सम्पूर्ण भारतवर्ष में कर्तव्य की वेदी पर 264 पुलिसजनों ने अपने प्राणों को न्योछावर किया। इनमें उत्तर प्रदेश के 07 पुलिसजन क्रमशः उपनिरीक्षक वीरेन्द्र नाथ मिश्रा, उपनिरीक्षक कादिर खाँ, मुख्य आरक्षी मुनील कुमार चौबे, आरक्षी सर्वेश कुमार, आरक्षी सुमित कुमार, आरक्षी ललित कुमार एवं आरक्षी मनीष कुमार सम्मिलित हैं। कर्तव्य पालन में आत्म बलिदान करने वाले इन वीरों के पराक्रम से प्रदेश का सम्पूर्ण पुलिस बल गौरवान्वित है।

इन वीर पुलिस कर्मियों का त्याग एवं बलिदान देशभक्ति का अद्वितीय उदाहरण बनकर हमारी भावी पीढ़ी को सदैव कर्तव्य–परायणता के मार्ग पर निर्भीकता के साथ अनुगमन की प्रेरणा देता रहेगा। हमारे पुलिस कर्मियों का यह बलिदान उनकी सच्ची समर्पण भावना एवं कर्तव्य–परायणता का द्योतक है तथा कर्तव्यनिष्ठा एवं जनसेवा के प्रति उनकी संकल्पबद्धता को प्रतिबिम्बित करता है।

इस पावन अवसर पर मैं अपनी तथा सम्पूर्ण पुलिस परिवार की ओर से इन वीर शहीदों को श्रद्धासुमन अर्पित करता हूँ। उनके परिवार को आश्वस्त करता हूँ कि उत्तर प्रदेश पुलिस सदैव उनके साथ है।

14/10/2022

(देवेन्द्र सिंह चौहान)
पुलिस महानिदेशक
उत्तर प्रदेश

पुलिस स्मृति दिवस–2022

कार्यक्रम

प्रातः 8:00 बजे
परेड फाल इन

प्रातः 8:20 बजे
पुलिस महानिदेशक, उ.प्र. का आगमन

प्रातः 8:25 बजे
मुख्य अतिथि का आगमन व अभिवादन

प्रातः 8:31 बजे
स्मृति परेड

प्रातः 8:55 बजे
पुष्प चक्र (रीथ) अर्पण

प्रातः 9:07 बजे
शोक शस्त्र एवं मौन (2मिनट)

प्रातः 9:09 बजे
मुख्य अतिथि व पुलिस महानिदेशक, उ.प्र.
की मंच पर वापसी

प्रातः 9:10 बजे
मुख्य अतिथि द्वारा सम्बोधन

मुख्य अतिथि के सम्बोधन के उपरान्त
परेड समाप्ति

केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल के 10 जवानों ने 21 अक्टूबर, 1959 को भारत की उत्तरी सीमा लद्दाख के हिमाच्छादित जनहीन क्षेत्र में चीनी सैनिकों के कपटपूर्ण किये गये हमले को निष्प्रभावी कर अपने प्राणों की आहुति इसी स्थल पर दी थी।

भारत की उत्तरी सीमा की रक्षा करते हुए 21 अक्टूबर, सन् 1959 को शहीद हुए वीर जवानों की सूची

1.	सी.टी.	ईमान सिंह	प्रथम वाहिनी	सी.आर.पी.
2.	सी.टी.	पूरन सिंह	प्रथम वाहिनी	सी.आर.पी.
3.	सी.टी.	नुरबू लामा	प्रथम वाहिनी	सी.आर.पी.
4.	सी.टी.	बेगराज	द्वितीय वाहिनी	सी.आर.पी.
5.	सी.टी.	माखनलाल	द्वितीय वाहिनी	सी.आर.पी.
6.	सी.टी.	शिवनाथ	तृतीय वाहिनी	सी.आर.पी.
7.	सी.टी.	मनजीत सुबा	तृतीय वाहिनी	सी.आर.पी.
8.	सी.टी	धरम सिंह	तृतीय वाहिनी	सी.आर.पी.
9.	सी.टी.	श्रवण दास	तृतीय वाहिनी	सी.आर.पी.
10.	सी.टी.	शेरिंग नुरबू	तृतीय वाहिनी	सी.आर.पी.

पुलिस स्मृति दिवस–2022

जनसेवा का उच्च आदर्श हृदयंगम किये अनेकों पुलिस जन प्रति वर्ष कर्तव्यपथ का अनुगमन करते हुये वीरगति को प्राप्त होते रहे हैं। पुलिस जनों के कार्य की प्रकृति ही कुछ ऐसी है कि इसमें कदम–कदम पर जोखिम व जीवनभय सन्निहित है यही कारण है कि प्रतिवर्ष अपने कार्यों को अंजाम देने की प्रक्रिया में पुलिस कर्मी बड़ी संख्या में कर्तव्य की बलिवेदी पर अपनी प्राणाहुतियाँ देते रहे हैं। अपने दायित्वों का निर्वहन करते हुये जन सेवा के उच्च आदर्श की प्राप्ति में मर–मिटने से भी गुरेज न करने वाले ये पुलिस जन मर कर भी अमर हो जाते हैं। इनकी कीर्ति व यशोगाथा समय के साथ क्षरित नहीं होती अपितु अविरल अनुप्राणित करती रहती है। पुलिस की भावी संततियों को उसी पथ पर द्विगुणित साहस व मनोयोग से आगे बढ़ने के लिये ऐसी एक गाथा आज से तिरसठ वर्ष पुरानी है ।

भारत की उत्तरी सीमा, लद्दाख का जनहीन क्षेत्र 15,000 फिट से ऊँची बर्फ से ढके पर्वतों, दर्रो के बीच जहाँ कि सामान्य नागरिक सुविधाओं के उपलब्ध होने की कल्पना तक नहीं की जा सकती, वहाँ सदैव की भाँति उस दिन भी देश की सीमा के सजग प्रहरी ''केन्द्रीय रिजर्व पुलिस बल'' के जवान अपने नियमित गश्त पर निकले थे। गश्त के दौरान अचानक उन्हें लगा कि वे शत्रु से घिर चुके हैं। चीनी सैनिकों ने छलपूर्वक हमारे क्षेत्र में आकर हमारे ही सिपाहियों को पकड़ने के लिये एम्बुश लगाया था। चीनियों ने दावा किया कि वह क्षेत्र उनका है पर भारतीय पुलिस के जवान, जो कि अपने परिजनों को छोड़ सुख–सुविधा से दूर उस निर्जन क्षेत्र में मातृभूमि की रक्षा का प्रण लेकर आये थे, अपनी मातृभूमि का एक इंच टुकड़ा भी शत्रु को कैसे सौंप देते। प्राण देकर भी मातृभूमि की रक्षा करने की भारतीय बहादुरों की परम्परा पर उन्होंने आंच नहीं आने दी तथा साधारण शस्त्रों के सहारे ही ये जवान स्वचालित रायफलों व मोर्टारों से लैस चीनियों से भिड़ गये। इस प्रकार भारतीय पुलिस के दस बहादुर जवानों ने मातृभूमि की रक्षा में अपने प्राणों की आहुति दी।

इस घटना का समाचार पाकर सारा राष्ट्र स्तब्ध रह गया। 21 अक्टूबर, 1959 का यह दिन हमारे जवानों की प्रेरणा का एक अनन्य श्रोत बन गया। मातृभूमि की रक्षा के लिये प्राणों तक का उत्सर्ग कर देने वाले बहादुरों का बलिदान सदैव हमें अपने कर्तव्यों के प्रति दृढ़ रहने की प्रेरणा देता है। इन्हीं वीर जवानों की याद में प्रत्येक वर्ष 21 अक्टूबर को सम्पूर्ण भारत के पुलिस जन वीरगति को प्राप्त हुए अपने साथियों को श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं। ''शत्–शत् नमन'' उन बहादुरों को जिनके लिये कर्तव्य पालन प्राणों से भी अधिक प्रिय रहा।

दिनांक 01 सितम्बर, 2021 से 31 अगस्त, 2022 तक की अवधि में सम्पूर्ण भारत में 264 पुलिसजनों द्वारा कर्तव्य की बेदी पर अपनी जीवनाहुतियाँ दी गई है, जिसमें आंध्रप्रदेश–8, असम–04, बिहार–07, छत्तीसगढ़–03, गोवा–02, गुजरात–08,

हरियाण–02, हिमाचल प्रदेश–02, झारखण्ड–02, कर्नाटक–11, केरल–01, मध्य प्रदेश–16, मणिपुर–01, नागलैण्ड–01, उड़ीसा–02, राजस्थान–03, सिक्किम–06, तमिलनाडु–03, त्रिपुरा–01, उत्तर प्रदेश–07, उत्तराखण्ड–06, पश्चिम बंगाल–18, दिल्ली–05, जम्मू कश्मीर–37, बीएसएफ–27, सीआईएसएफ–06, सीआरपीएफ–30, आईटीबीपी–14, एनएसजी–01, एसएसबी–03, एनडीआरएफ–04, आसाम राइफल–06, आरपीएफ–17 जवान सम्मिलित हैं। उत्तर प्रदेश के समस्त पुलिसजन इनके महान कर्तव्यपालन व अप्रतिम बलिदान की सराहना में नतमस्तक हैं और अपनी हार्दिक श्रद्धांजलि अर्पित करते हैं।

◆◆◆

दिनांक 01.09.2021 से 31.08.2022 तक की अवधि में कर्तव्यपथ पर वीरगति को प्राप्त हुए पुलिस कर्मियों की शौर्य गाथा से सम्बन्धित प्रमुख घटनायें

1. उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, वीरेन्द्र नाथ मिश्रा–852410170, जनपद फतेहपुर

दिनांक 31.03.2022 को थाना सुल्तानपुर घोष में नियुक्त उपनिरीक्षक वीरेन्द्र नाथ मिश्रा को जी0डी0 नं0 19 समय 10:19 बजे वाहन चेकिंग डियूटी हेतु रवाना हुये। थाना गेट से करीब 20 मीटर की दूरी पर वाहन चेकिंग कर रहे थे, इसी दौरान समय 10:30 बजे वाहन सं0 यूपी–71 एएस–8582 हीरो स्पेलेण्डर प्लस के चालक नरेन्द्र पासी व पीछे बैठे उसके पिता प्रकाश पासी निवासीगण दुर्गा का पुरवा, थाना सुलतानपुर घोष जनपद फतेहपुर द्वारा वाहन चेकिंग में मामूर उपनिरीक्षक वीरेन्द्र नाथ मिश्रा पर वाहन रोकते समय जान से मारने की नीयत से मोटर साइकिल उनके ऊपर चढ़ाकर उन्हे गम्भीर रूप से घायल कर दिया, उपनिरीक्षक वीरेन्द्र नाथ मिश्रा को तत्काल निकटतम सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्र, हथगाँव ले जाया गया जहाँ चिकित्सक द्वारा उपनिरीक्षक वीरेन्द्र नाथ मिश्रा को मृत घोषित कर दिया गया।

इस प्रकार उपनिरीक्षक वीरेन्द्र नाथ मिश्रा द्वारा कर्तव्यों का निर्वहन करते हुये अपने प्राणों की आहुति दी गयी।

2. उपनिरीक्षक नागरिक पुलिस, कादिर खां–822540887

जनपद गौतमबुद्धनगर

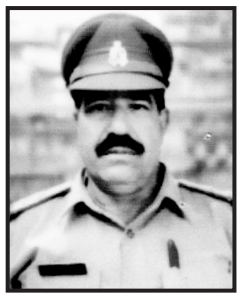

दिनांक 17.07.2022 को थाना दादरी जनपद गौतमबुद्धनगर पर नियुक्त उपनिरीक्षक ना0पु0 कादिर खां जी0डी0 संख्या–11 समय 09.48 बजे मु0अ0सं0–745/2021 धारा 302/201 भादवि में वास्ते पतारसी व सुरागरसी हेतु जनपद मेरठ रवाना हुये थे। मेरठ जाते समय दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस–वे पर सड़क दुर्घटना में गम्भीर रूप से घायल हो गये, तत्काल उन्हें एम्बुलेन्स–108 से सुभारती अस्पताल मेरठ ले जाया गया, जहाँ डाक्टरों द्वारा उपनिरीक्षक कादिर खां को मृत घोषित कर दिया गया।

इस प्रकार उपनिरीक्षक कादिर खां द्वारा कर्तव्यों का निर्वहन करते हुये अपने प्राणों की आहुति दी गयी।

3. मुख्य आरक्षी नागरिक पुलिस, मुनील कुमार चौबे–982765326, जनपद प्रयागराज

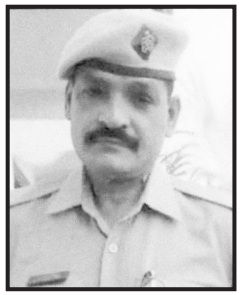

दिनांक 17.01.2022 को थाना सरायइनायत, प्रयागराज में नियुक्त मुख्य आरक्षी मुनील कुमार चौबे की डियूटी यातायात/शान्ति व्यवस्था हेतु सहसों चौराहे पर लगी थी। डियूटी के दौरान मुख्य आरक्षी मुनील कुमार चौबे को वाहन संख्या–70 जीटी–3642(पिकप) द्वारा टक्कर मार दी गयी। उक्त मुख्य आरक्षी को तत्काल स्वरूप रानी अस्पताल प्रयागराज ले जाया गया जहाँ डाक्टरों द्वारा इलाज के दौरान उन्हे मृत घोषित कर दिया गया।

इस प्रकार मुख्य आरक्षी मुनील कुमार चौबे द्वारा कर्तव्यों का निर्वहन करते हुये अपने प्राणों की आहुति दी गयी।

4. आरक्षी नागरिक पुलिस, सर्वेश कुमार–112706786, जनपद गौतमबुद्धनगर

दिनांक 10.03.2022 को रपट सं0–26 समय 17:10 बजे यातायात निरीक्षक राम सिंह द्वारा जरिये दूरभाष सूचना दी गयी कि आरक्षी सर्वेश कुमार जिनकी डियूटी यातायात व्यवस्था हेतु कन्टेनर डिपो पर लगी थी। डियूटी पर जाते समय आरक्षी की मोटरसाइकल यूपी–80 डीएम 8696 को ट्रक कन्टेनर सं0–एचआर 38 एक्स 6877 द्वारा टक्कर मार दी गयी। उक्त आरक्षी की जीवन रक्षा को देखते हुये स्थानीय नागरिक पुलिस व यातायात पुलिस की सहायता से नजदीकी कैलाश हास्पिटल ग्रेटर नोयडा लाया गया, जहाँ चिकित्सकों द्वारा परीक्षण के बाद आरक्षी सर्वेश कुमार को मृत घोषित कर दिया गया।

इस प्रकार आरक्षी सर्वेश कुमार द्वारा कर्तव्यों का निर्वहन करते हुये अपने प्राणों की आहुति दी गयी।

5. आरक्षी नागरिक पुलिस, सुमित कुमार–152012412, जनपद मुजफ्फरनगर

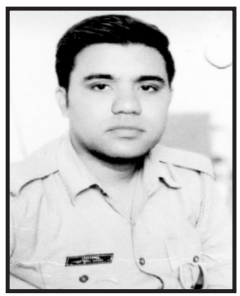

दिनाँक : 28.12.2021 को मु0अ0सं0– 559/21 धारा–376/342/323 /504/ 506 भादवि संबंधित थाना खतौली एवं मु0अ0सं0–472/21 धारा– 147/148/ 149/307 भादवि संबंधित थाना नई मण्डी जनपद मुजफ्फरनगर में वांछित अभियुक्तगण देवा मलिक व रजनीश तोमर की तलाश में संबंधित स्थान करनाल, हरियाणा में उपनिरीक्षक अनिल कुमार मय हमराही कर्मचारीगण मुख्य आरक्षी 19 सोनवीर, आरक्षी 1404 राहुल कुमार, आरक्षी 1959 सुनील कुमार, आरक्षी 715 दीपक कुमार, आरक्षी 137 देवेन्द्र व आरक्षी 347/152012412 सुमित कुमार दबिश हेतु गये थे। उक्त अभियुक्तगणों को पुलिस की भनक लगते ही अभियुक्तगण कार से ग्राम जडौली से ग्राम मोदीपुर करनाल की तरफ भागे, उनकी कार का पुलिस द्वारा पीछा

किया गया। इसी दौरान अचानक गाड़ी सड़क किनारे लगे पेड़ से टकरा कर दुर्घटनाग्रस्त हो गयी। हमराही मुख्य आरक्षी सोनवीर, आरक्षीगण राहुल कुमार, सुनील कुमार, दीपक कुमार, देवेन्द्र व आरक्षी सुमित कुमार घायल हो गये। घायल आरक्षी राहुल कुमार एवं आरक्षी सुमित कुमार की हालत गम्भीर होने के कारण उन्हे स्थानीय लोगो की मदद से अमृतधारा माई हास्पिटल आईटीआई क्रासिंग करनाल, हरियाणा ले जाया गया जहाँ चिकित्सकों द्वारा बाद उपचार/जाँच आरक्षी सुमित कुमार को मृत घोषित कर दिया गया।

इस प्रकार आरक्षी सुमित कुमार द्वारा कर्तव्यों का निर्वहन करते हुये अपने प्राणों की आहुति दी गयी।

6. आरक्षी नागरिक पुलिस, ललित कुमार–152240040, जनपद गाजियाबाद

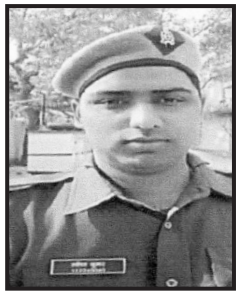

दिनांक 27.01.2022 को आरक्षी ललित कुमार की डियूटी यातायात व्यवस्था हेतु छिजारसी/कानूनी यू–टर्न पर लगाई गई थी, डियूटी हेतु आरक्षी ललित कुमार जी0डी0 नं0 28 समय 12.50 बजे पर रवाना हुये। डेल्टा प्रथम द्वारा जरिये आ0टी0 सैट 23:02 बजे सूचना दी गई कि चिरंजीव बिहार/डी ब्लाक शास्त्रीनगर कट पर बुलेट मोटर साईकिल यू0पी0–13 बीएफ–5443 को अज्ञात वाहन द्वारा टक्कर मार दी गई है। सूचना पर पीआरवी 1347 व 1003 घटना स्थल पर पहुँची व घायल आरक्षी ललित कुमार को पीआरवी कर्मियो द्वारा यशोदा अस्पताल नेहरूनगर ले जाया गया, जहाँ पर चिकित्सकों द्वारा परीक्षणोंपरान्त आरक्षी ललित कुमार को मृत घोषित कर दिया गया।

इस प्रकार आरक्षी ललित कुमार द्वारा कर्तव्यों का निर्वहन करते हुये अपने प्राणों की आहुति दी गयी।

7. आरक्षी नागरिक पुलिस, मनीष कुमार–112415495, जनपद बागपत

दिनाँक : 14.10.2021 को थाना बागपत में नियुक्त आरक्षी मनीष कुमार को रपट नं0–50 समय 16:35 बजे केस नं0–189/2021 धारा एम0बी0 एक्ट थाना बागपत में मा0 न्यायालय सिविल जज जूनियर डिवीजन प्रथम बागपत द्वारा निर्गत सम्मन हरिओम शर्मा पुत्र देवीराम शर्मा निवासी–22, अमर माया इन्क्लेव चाँदपुर रोड, बुलन्दशहर पर तामीला हेतु जनपद बुलन्दशहर रवाना किया गया। पिलखुआ में विभोर पब्लिक स्कूल के सामने ओवरब्रिज पर रोडवेज बस संख्या यूके–04 पीए–1715 से उक्त आरक्षी का एक्सीडेन्ट हो गया, फलस्वरूप घटनास्थल पर ही आरक्षी मनीष कुमार की मृत्यु हो गयी।

इस प्रकार आरक्षी मनीष कुमार द्वारा कर्तव्यों का निर्वहन करते हुये अपने प्राणों की आहुति दी गयी।

◆◆◆

Police Commemoration Day

October 21st, 2022

S.No.	Rank	Late S/Sri
	ANDHRA PRADESH	
1.	CL-5942	K ESWAR RAO
2.	HC-1646	CH SRINIVASA RAO
3.	HC-2149	MALLA SRIHARI
4.	PC-1393	K SRINIVASA RAO
5.	PC-388	BALLA ESWARA RAO
6.	PC-4488	D AMBDEKAR
7.	PC-79/NDL (432/KNL)	G SURENDRANATH
8.	HOME GUARD-324	KRAJA SHEKAR
	ASSAM	
9.	SI	SAMUTJAL KAKATI
10.	SI (AB)	LAKHIRAM SONOWAL
11.	NAIK (UB)	KAMAL CH BORAH
12.	CONST (UB)	RAJIB BORDOLOI
	BIHAR	
13.	SI	BIRENDRA KUMAR PASWAN
14.	ASI	SURENDRA KUMAR GAHLAUT
15.	HAWALDAR	BHAGVAT PRASAD
16.	CONST	AJAY KUMAR
17.	CONST-155	RAMJATAN RAI
18.	CONST-609	SANDEEP TAMANG
19.	DRIVER CONST	PAWAN KUMAR PRASAD

S.No.	Rank	Late S/Sri
	CHHATTISGARH	
20.	HC-782	SALIK RAM MARKAM
21.	CONST-1362	ARJUN KUDIYAM
22.	ASSTT CONST-1140	GOPAL KADTI
	GOA	
23.	PC-210060	VISHWAS DEYKAR
24.	PC-7407	SHAILESH GAONKAR
	GUJARAT	
25.	UHC	MANSUKH KABABHAI BALDHIYA
26.	UPC	IRFANBHAI SATARBHALAGWAN
27.	UPC	SHAKTISINH YUVRAJSINH GOHIL
28.	UPC	BHIKHUBHAI ABDULBHAI BUKERA
29.	UPC	AMARSINH GORDHANSINH RAJPUT
30	CONST(A)	PRAVIN BHAI GOPAL BHAI FULIYA
31.	CONST(A)	KIRAN SINH JAYMAL SINGH RAJ
32.	CONST(VA)	NILESHKUMAR GHANSHYAM BHAI DABHI
	HARYANA	
33.	DY SP	SURENDER SINGH
34.	CONST	SANDEEP KUMAR
	HIMACHAL PRADESH	
35.	CONST-470	SHUBHAM
36.	CONST-499	VISHAL KUMAR

S.No.	Rank	Late S/Sri
	JHARKHAND	
37.	CONST-1531	THAKUR HEMBRAM
38.	CONST-725	SANKAR NAYAK
	KARNATAKA	
39.	PSI	AVINASH K
40.	ASI	MANJUNATHA
41.	ASI	RAJU
42.	ASI	SADASHIVA B
43.	CHC-1141	GM MALATHESH
44.	CHC-2181	ABBUBAKKAR
45.	CHC-281	BASAVARAJ
46.	CPC-21018	ANIL MULIK
47.	CPC-2763	NINGAPPA BOOSANNAVAR
48.	CPC-304	PRASAD S
49.	CPC-675	PANDIT KASAR
	KERALA	
50.	SAP PC-13899	SRI BALU
	MADHYA PRADESH	
51.	INSP.(ACTING)	KL RATHORE
52.	SI	VINOD SHANKAR YADAV
53.	SI	RAJKUMAR JATAV
54.	ASI	SURESH CHOUHAN
55.	ASI (ACTING)	BALIRAM DHAKAD
56.	HC-117	BACCHU SINGH JAT
57.	HC-199	NEERAJ BHARGAVA
58.	K-HC- 519	LAXMINARAYA GOUR
59.	HC (ACTING)	MAANSINGH BHURA
60.	HC-200 (ACTING)	RAJENDRA SINGH YADAV
61.	CONST-241	KAMLENDRA YADAV
62.	CONST	RISHIKESH GURJAR
63.	CONST-169	AMARDEEP CHAUDHARI
64.	CONST-463	SANTRAM MEENA
65.	CONST-GD	SATYENDRA SINGH DANGI
66.	CONST DRIVER	RANJEET DODAVE
	MANIPUR	
67.	CONST-0908064	MOIRANGTHEM INGOCHA SINGH
	NAGALAND	
68.	LANCE NAIK-83093	Y VIHEKHU SEMA
	ODISHA	
69.	HAVILDAR (ARMED)	SURJYA KANTA CHAMPATI
70.	SEPOY	MAJHI KAIBARTA
	RAJASTHAN	
71.	CONST-1330	BINTU CHOUDHARY
72.	CONST-1788	ISHAK MOHAMMAD KAYAMKHANI
73.	WOMAN CONST-1235	SUMAN BADOLIYA
	SIKKIM	
74.	ASI	SANTA BIR TAMANG
75.	LANCE NAIK-120343	PINTSO NAMGYAL BHUTIA
76.	CONST-130112	INDRA LALL CHETTRI
77.	CONST-130170	DHAN HANG SUBBA
78.	VILLAGE GUARD	UGEN LEPCHA
79.	VILLAGE GUARD	LYANGSONG LEPCHA
	TAMIL NADU	
80.	SPL SI	M CHANDRASEKARAN
81.	SPL SI-469	S BOOMINATHAN
82.	PC-434 (GR-1)	P DEVARAJAN

S.No.	Rank	Late S/Sri
	TRIPURA	
83.	I/C INSPECTOR	SATYAJIT MALLIK
	UTTAR PRADESH	
84.	SI	KADIR KHAN
85.	SI	VIRENDRA NATH MISHRA
86.	HC	MUNIL KUMAR CHAUBE
87.	CONST	SARVESH KUMAR
88.	CONST	SUMIT KUMAR
89.	CONST	LALIT KUMAR
90.	CONST	MANISH KUMAR
	UTTARAKHAND	
91.	SI (CP)	AMAR PAL SINGH
92.	SI(V)-31 (CP)	VIJAY LAXMI
93.	CONST-121 (AP)	ARUN KUMAR MAURYA
94.	CONST-69 (CP)	ANIL KUMAR
95.	LADY CONST (CP)	NEELAM RATNAKAR
96.	FIREMAN	NITIN SINGH RANA
	WEST BENGAL	
97.	DY SP	PRASANTA KUMAR NANDY
98.	SERGEANT	SASHI BHUSHAN MINJ
99.	ASI-1663(AB)	BIDHU BHUSAN SINGHA
100.	ASI-19(UB)	KALYAN KUMAR ROY
101.	ASI-695(UB)	GOPAL CHANDRA ROY
102.	ASI-856	ANANGA MOHAN MANDAL
103.	ASI-51 (AB)	ASHOK KUMAR BAGDI
104.	CONST	BABLU MONDAL
105.	CONST	PRASENJIT SAMANTA
106.	CONST	SAMSUTI UDDIN
107.	CONST	AKHLESS MANDAL
108.	CONST	SK MD NASIRUDDIN
109.	CONST-1276	DULAL ROY
110.	CONST-1534	ARUP KUNDU
111.	CONST-2640	MITHUN RUHIDAS
112.	CONST-702	ANAL KANT! BANERJEE
113.	HOME GUARD	GOUTAM SARKAR
114.	HOME GUARD	SUMAN THAPA
	DELHI	
115.	SI	SANJEEV LOCHAN SHARMA
116.	SI	SUBHASH CHAND
117.	ASI	OM PRAKASH
118.	HEAD CONST	NAWAL KISHORE MEENA
119.	CONST	ABHISHEK KUMAR
	JAMMU & KASHMIR	
120.	SI-M MEG-981243	FAROOQ AHMAD MIR
121.	PROB. SI EXK-196175	ARSHAD ASHRAF MEER
122.	ASI ARP-861250	GH HUSSAIN
123.	ASI EXK-872749	MUSHTAQ AHMAD LONE
124.	ASI EXK-881604	MOHD ASHRAF DAR
125.	HC EXJ-977379 (390/P)	SHAM LAL
126.	HCEXK-971873	MOHAMMAD HUSSAIN
127.	HC EXK-981573	ALI MOHAMMAD
128.	HC ARP-891382	AB MAJEED
129.	SGCT 851/J EXJ-017127	SURESH KUMAR
130.	SGCT EXJ-001851	RANJEET SINGH
131.	SGCT EXJ-105938	ABDUL BASHIR
132.	SGCT EXJ-117333	MOHD FAROOQ

S.No.	Rank	Late S/Sri
133.	SGCT (EXK118896)	ROHIT KUMAR
134.	SGCT ARP-078387	AAMIR HASSAN LONE
135.	SGCT ARP-091317	SHAFEEQ AHMAD
136.	SGCT EXK-097544	MOHAMMAD SULTAN
137.	SGCT EXK-145663	SAIFULLAH QADRI
138.	CONST ARP-182099	RAMEEZ AHMAD
139.	CONST EXJ-196816	SHOWAB AHMAD
140.	CONST EXJ-127883	QUEEM ALI
141.	CONST EXJ-155436	PANKAJ BHALL
142.	CONST EXK-135928	GH HASSAN DAR
143.	CONST EXK-165577	REYAZ AHMAD THOKER
144.	CONST EXK-185570	FAYAZ AHMAD LONE
145.	CONST EXK-195848	TAWSEEF AHMAD
146.	CONST-ARP-168312	SARAFRAZ AHMAD
147.	FOLLOWER EXK-165443	BANTOO JI SHARMA
148.	FOLLOWER EXK-195924	AJAY DHAR
149.	SPO-113/PUL	JAVID AHMAD
150.	SPO-135/BUD	MOHD ISHFAQ DAR
151.	SPO-270/SPO	ZUBAIR RASHID
152.	SPO-665/SPO	MUDASIR AHMAD SHEIKH
153.	SPO-126/GRPK	SHABIR AHMAD DAR
154.	SPO-1065/SPO	TAHIR KHAN
155.	SPO-268/SPO	SANJAY KUMAR
156.	SPO-91	SHAM SINGH

BSF

157.	DY COMDT	RAJESH KUMAR
158.	DY COMDT (GD)-40802619	AJIT SINGH TANWAR
159.	ASSTT COMDT (GD)-41939765	RAKESH KUMAR
160.	ASI (GD)-870013410	JAGMOHAN SINGH
161.	ASI (GD)-873658171	RAVINDER KUMAR
162.	ASI (GD)-890067002	RAMJI YADAV
163.	HC (GD)	AJAY SINGH TOMAR
164.	HC (GD)	GIRJESH KUMAR UDDEY
165.	HC (GD)-941062927	SHISHU PAL SINGH
166.	HC (GD)-946337011	SUJJAN SINGH
167.	HC (GD)-959220207	JAYPRAKASH MAHAPATRA
168.	HC (GD)-962541988	VIRENDER KUMAR
169.	HC (GD)-972542366	SATYA PAL SINGH YADAV
170.	HC (GD)-997225161	SANWALA RAM VISHNOI
171.	CONST (GD)	M SENTHIL KUMARAN
172.	CONST (GD)-010061930	ANISH JOSEPH
173.	CONST (GD)-021310805	NASIRUDDIN AHMED
174.	CONST (GD)-042556271	SHAILENDRA DUBEY
175.	CONST (GD)-052542666	SATISH KUMAR
176.	CONST (GD)-080097114	ASHOK MUNDASAD
177.	CONST (GD)-086665023	AKHIL KHAN
178.	CONST (GD)-103993382	SIDAPURE SANTOSH GANGADHAR
179.	CONST (GD)-110055778	DINESH KUMAR
180.	CONST (GD)-114220398	SANDEEP SINGH
181.	CONST (GD)-120715189	MENAT JITENDER KUMAR CHANDUBHA
182.	CONST (GD)-130711793	MAHENDER SINGH RANAWAT
183.	CONST (GD)-133303212	RAVI SHANKAR SHAW

S.No.	Rank	Late S/Sri
		CISF
184.	ASI/EXE	RANJIT KUMAR SARANGI
185.	ASI/EXE	SHANKAR PRASAD PATEL
186.	HC/GD	RUPESH KUMAR MISHRA
187.	HC/GD	SHIV KUMAR SINGH
188.	CONST/GD	OM PRAKASH BAWARIYA
189.	CONST/GD	KRISHNA VIR SINGH
		CRPF
190.	ASSTT COMDT	SHANTI BHUSHAN TIRKEY
191.	SI/GD	UMESH CHANDRA
192.	SI/GD	V AYYADURAI
193.	SI/GD	SWAMY GOWDA
194.	ASI/GD	NAND KUMAR CHOUDHARY
195.	ASI/GD	SHISHU PAL SINGH
196.	ASI/GD	SHIV LAL
197.	ASI/GD	VINOD KUMAR
198.	HC/GD	VAKEEL SINGH
199.	HC/GD	VIJAY PAL SINGH
200.	HC/GD	KULASEKARAN C
201.	HC/GD	RAJESH KUMAR SINGH
202.	HC/GD	MOHAR SINGH TOMAR
203.	HC/GD	VISHAL KUMAR
204.	HC/DVR	BRAJPAL SINGH YADAV
205.	CONST/GD	VARINDER SINGH
206.	CONST/GD	MUKHTAR AHMAD DOIE
207.	CONST/GD	DHARMENDRA KUMAR SINGH
208.	CONST/GD	BALRAM KUMAR SINGH
209.	CONST/GD	DHANJI
210.	CONST/GD	DHARMENDRA KUMAR
211.	CONST/GD	RAJMANI KUMAR YADAV
212.	CONST/GD	RAJIB MONDOL
213.	CONST/GD	DASHRATH MOHANTA
214.	CONST/GD	MN MANI
215.	CONST/GD	RAJU KUMAR
216.	CONST/GD	SUDHIL PRASAD S
217.	CONST/GD	SHARWAN KUMAR
218.	CONST/GD	PADALA YOGESWARA RAO
219.	CONST/GD	SOORAJ R
		ITBP
220.	ASI/GD	RAJENDRA SINGH
221.	ASI/GD	RAM SINGH
222.	ASI/GD	NANDAN SINGH
223.	HC/GD	RAKESH SINGH
224.	HC/GD	PADMENDER SINGH
225.	HC/GD	DULA SINGH
226.	HC/GD	HARI CHAND
227.	CONST/GD	DEVARINTI RAJASHEKHAR
228.	CONST/GD	SANDEEP KUMAR
229.	CONST/GD	DINESH SINGH BOHRA
230.	CONST/GD	SUBHASH CHAND BERWAL
231.	CONST/TELE	ABHIRAJ
232.	CONST/DVR	KRISHAN KUMAR
233.	CONST/COOK	AMIT KUMAR

S.No.	Rank	Late S/Sri
		NSG
234.	SQN CDR (MAJOR)	UTKARSH CHAHAR
		SSB
235.	HC (GD)	MOHD ASHRAF
236.	HC (GD)	MD HUSSAIN
237.	HC (GD)	DEV RAJ
		NDRF
238.	ASI(GD)	ANIL KUMAR GAUR
239.	HC(GD)	PRABHAT KALANTA
240.	CT(GD)	ANKESH KUMAR
241.	CT(GD)	MALKEET SINGH
		ASSAM RIFLES
242.	COLONEL	VIPLAV TRIPATHI
243.	RIFLEMAN (GD)	N KHATNEI KONYAK
244.	RIFLEMAN (GD)	SUMAN SWARGIARY
245.	RIFLEMAN (GD)	RAJENDRA SINGH MEENA
246.	RIFLEMAN (GD)	SHYAMAL DAS
247.	RIFLEMAN (GD)	LONGDON WANGSU

S.No.	Rank	Late S/Sri
		RPF
248.	SUB-INSPECTOR	VIJAY SHARMA
249.	SUB-INSPECTOR	DEV RAJ
250.	HC	SURENDER SINGH
251.	HC	SURYA NATH
252.	HC	KAILASH CHAND SHARMA
253.	HC	RAMA SHANKAR UPADHYAY
254.	HC	DAYA KISHOR
255.	CONST	RAY SAHAB YADAV
256.	CONST	RANJAN KUMAR
257.	CONST	SHAMSHER KUMAR SINGH
258.	CONST	PARVESH KUMAR
259.	CONST	SHISHIR KUMAR SINGH
260.	CONST	HARSHAD TANDEL
261.	CONST	AMEEN KUMAR CHATARJEE
262.	CONST	BHOOPENDRA YADAV
263.	CONST	NAZIR AHMED RATHER
264.	LADY CONST	ASHWINI BALIRAM WAGHARE

◆◆◆

The Last Post - A True Story

Reportedly, it all began in 1862 during the American Civil War, when Union Army Captain Robert Ellicombe was with his men near Harrison's Landing in Virginia. The Confederate Army was on the other side of the narrow strip of land.

During the night, Captain Ellicombe heard the moans of a soldier who lay severely wounded on the field. Not knowing if it was a Union or Confederate soldier, the Captain decided to risk his life and bring the stricken man back for medical attention. Crawling on his stomach through the gunfire, the Captain reached the stricken soldier and began pulling him toward his encampment.

When the Captain finally reached his own lines, he discovered it was actually a Confederate soldier, but the soldier was dead.

The Captain lit a lantern and suddenly caught his breath and went numb with shock. In the dim light, he saw the face of the soldier. It was his own son. The boy had been studying music in the South when the war broke out. Without telling his father, the boy enlisted in the Confederate Army.

The following morning, heartbroken, the father asked permission of his superiors to give his son a full military burial, despite his enemy status. His request was only partially granted.

The Captain had asked if he could have a group of Army band members play a funeral dirge for his son at the funeral.

The request was turned down since the soldier was a Confederate.

But, out of respect for the father, they did say they could give him only one musician.

The Captain chose a bugler. He asked the bugler to play a series of musical notes he had found on a piece of paper in the pocket of the dead youth's uniform.

This wish was granted.

The haunting melody, we now know as 'The Last Post' used at military funerals was born.

Contributed by
Sri. S.N. Singh
ADG (Rtd)

'अन्तिम धुन' – वास्तविक कहानी

यह गाथा है सन् 1862 के अमेरिकी गृह युद्ध के समय की जब यूनियन आर्मी सेना के कप्तान राबर्ट इलिकोम्बे अपने साथियों के साथ वर्जीनिया के हैरीसन लैंडिग के निकट थे तथा सामने दूसरी तरफ थी कानफेडरेट आर्मी।

युद्ध क्षेत्र में रात्रि के समय कैप्टन इलिकोम्बे ने एक सैनिक के कराहने की आवाज सुनी जो बुरी तरह जख्मी था। यह जाने बिना कि घायल सैनिक यूनियन आर्मी का है अथवा कानफेडरेट आर्मी का, कैप्टन ने अपनी जान को जोखिम में डालते हुए घायल सैनिक के चिकित्सीय मदद का निर्णय लिया। गोलाबारी के बीच रेंगते हुए कैप्टन घायल सैनिक तक पहुंच कर उसे अपने कैम्प की तरफ लाने लगा।

जब कैप्टन अन्ततः अपने कैम्प की सीमा में पहुंचा तब पाया कि वास्तव में वह एक कानफेडरेट सैनिक था, परन्तु वह सैनिक मर चुका था।

कैप्टन ने एक लालटेन जलाई और उसकी मद्धिम रोशनी में उक्त सैनिक का चेहरा देखा तो सदमे से सन्न रह गया। वह उसका अपना ही पुत्र था।

जब युद्ध शुरू हुआ तो वह लड़का 'साउथ' में संगीत का अध्ययन कर रहा था। अपने पिता को बिना बताये वह कानफेडरेट आर्मी में भर्ती हो गया था।

अगले दिन सुबह शत्रु सेना के लिये शहीद अपने पुत्र के शव को पूर्ण सैनिक सम्मान के साथ दफनाने के लिये अपने रूंधे हुए गले से वरिष्ठ अधिकारियों से कैप्टन ने अनुमति मांगी। उसके आग्रह को आंशिक रूप से स्वीकार कर लिया गया।

कैप्टन ने अपने पुत्र के अन्तिम संस्कार के समय आर्मी बैण्ड समूह द्वारा शोक धुन बजाये जाने की अनुमति मांगी।

कानफेडरेट आर्मी का सैनिक होने के कारण उसके आग्रह को अस्वीकार कर दिया गया। परन्तु पिता के सम्मान को दृष्टिगत रखते हुए उन्होंने बैण्ड के एक सदस्य को देने की अनुमति दी। कैप्टन ने एक 'बिगुलर' को चुना। कैप्टन ने मृत युवा सैनिक की वर्दी की जेब से मिले पत्र में लिखित संगीत श्रृंखला की धुन बजाने के लिये कहा। कैप्टन की यह इच्छा मान ली गयी।

यह वही 'अन्तिम धुन' है जो आज भी शहीद सैनिकों के सम्मान में गुंजायमान होती है।

The Last Post

Day is done
Gone the sun
From the lakes
From the hills

From the sky
All is well
Safely rest
God is nigh

Fading light
Dims the sight
And a star
Gems the sky
Gleaming bright
From afar
Drawing nigh
Falls the night

Thanks and praise
For our days
Neath the sun
Neath the stars
Neath the sky
As we go
This we know
God is nigh.

POLICE
HEADQUARTERS
पुलिस मुख्यालय
पुलिस मुख्यालय
अमर
जवान

21 अक्टूबर, 1959 स्मृतिका
उत्तरी लद्दाख सीमा

केन्द्रीय रिज़र्व पुलिस बल के 10 जवानों ने 21 अक्टूबर, 1959 को भारत की उत्तरी सीमा लद्दाख के हिमाच्छादित जनहीन क्षेत्र में चीनी सैनिकों के कपटपूर्ण किये गये हमले को निष्प्रभावी कर अपने प्राणों की आहुति इसी स्थल पर दी थी।

राष्ट्रीय पुलिस स्मारक
National Police Memorial

राष्ट्रीय पुलिस स्मारक को माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी ने 21 अक्टूबर, 2018 को राष्ट्र को समर्पित किया।

मुद्रक : प्रकाश पैकेजर्स, लखनऊ